# मेरी भाभी की चुदाई के लिए कभी हाँ तो कभी ना

“मैं क्या करूं … मुझे मेरी भाभी की चुदाई करनी है. भाभी भी मेरी इच्छा को जानती है. कामवासना से प्रेरित होकर एक बार मैंने भाभी को नहाते समय नंगी देखा था. …”

**Story By:** अज्ञात (_agyat)
**Posted:** Thursday, June 20th, 2019
**Categories:** भाभी की चुदाई
**Online version:** मेरी भाभी की चुदाई के लिए कभी हाँ तो कभी ना


*Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire*

# मेरी भाभी की चुदाई के लिए कभी हाँ तो कभी ना

 यह कहानी सुनें
मेरे प्रिय मित्रो, मेरा नाम राज कुमार है. मेरी आयु 22 साल है. दिखने में अच्छा हूँ. मैं उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले में एक गाँव में रहता हूँ.

मेरे बड़े भाई की शादी आठ महीने पहले ही हुई है. मेरी भाभी काफी सुंदर है. वो अक्सर साड़ी पहनती है. साड़ी में मुझे भाभी का नंगा पेट बहुत ललचाता है. जब कभी मुझे भाभी की नाभि दिख जाती है तो मेरा लंड सलामी देने लगता है.

भाभी जब आंगन में अपनी साड़ी ऊपर जाँघों तक चढ़ा कर कपड़े धोती है तो उनकी नंगी पिंडलियाँ और थोड़ी थोड़ी नंगी जांघें देख कर मुझे कुछ कुछ होने लगता है. मन करता है कि मैं वहीं खुले आंगन में अपनी भाभी को लिटा कर उनकी साड़ी पूरी ऊपर उठा कर उनकी चूत नंगी करके देखूँ और चाट लूं.

रसोई में नीचे बैठ कर भाभी जब कोई काम करती है तो पीछे से उनके चूतड़ मुझे आकर्षित करते रहते हैं. मेरा मन करता है की मैं भाभी के पीछे जाकर अपने दोनों हाथों से उनके दोनों चूतड़ों को दबोच कर मसल दूँ.

कामवासना से प्रेरित होकर एक बार मैंने भाभी को नहाते समय नंगी देखा था बाथरूम के रोशनदान में से … लेकिन मैं पकड़ा गया था … भाभी ने भी मुझे झांकते हुए देख लिया था और उस दिन मुझे खूब डांटा और बोली- तुम्हें शर्म नहीं आती ऐसी हरकत करते हुए ? आने दो तुम्हारे भैया को … मैं यह बात उनको बता दूंगी.

लेकिन भाभी ने ऐसा नहीं किया।

भाभी को यह भी पता है कि मेरा देवर मुझे गंदी नज़रों से देखता है और मुझे चोदना चाहता है।
वो मुझसे बात भी करती थी और बातों बातों में भाभी ने कई बार चुदवाने के लिए हाँ भी कर दी थी कि मैं चोदवा लूंगी बस मौक़ा मिलने दे.

वैसा मौका भी दो बार आ गया था जब हम दोनों घर में अकेले थे और हमारे पास वक्त भी काफी था. मैंने भाभी को छेड़ा भी, उन्हें बांहों में लेने की कोशिश भी की कि अब मौक़ा है तो भाभी जरूर चुदवा लेगी. लेकिन भाभी ने मेरी कोशिश दोनों बार नाकाम कर दी कोई बहाना बना कर!

अभी भी भाभी मेरे को घर का काम करते समय कभी कभार अपनी गांड, चूची और पेट, नाभि दिखाती रहती है। मैंने भाभी को बताया भी था कि मैं उनकी नाभि का दीवाना हूँ.

कभी कभी जब मैं भाभी की गान्ड और चूची को घूरता हूँ तो भाभी गुस्से से देखती है कभी कभी। और कभी कभी मुस्कुरा देती है. भाभी दोहरी चाल चल रही है ऐसा मुझे लगता है. और जब मैं उनसे कोई ऐसी वैसी बात करने की कोशिश करता हूं तो वो मेरे से दूर भागने लगती है और बात भी नहीं करती।
फिर कई कई दिन बात करना बंद कर देती है।

दोस्तो, अब मैंने देवर भाभी का सारा मामला आपके सामने रख दिया।
मेरे सवाल आपसे यह है कि क्या मेरी भाभी मुझसे अभी या बाद में चुदवाना चाहती है?
या मेरा फुद्दू बना रही है? मेरी भाभी का दोरंगा बर्ताव मुझे समझ नहीं आ रहा.
मुझे पता ही नहीं चल रहा है कि मेरी सेक्सी भाभी क्या चाह रही है? क्या खेल खेल रही है मेरे साथ.

आप सभी कमेंट्स में मुझे अपनी राय देकर मेरी मदद करें.
निजता के लिए मैं अपनी इमेल आईडी नहीं दे रहा हूँ. अपना नाम व शहर भी मैंने बदल कर लिखा है. इसके लिए मुझे माफ़ करना दोस्तो.

# Other stories you may be interested in

## छोटे भाई की बीवी के साथ सुहागरात-1

हाय दोस्तो, मेरा नाम राज है और मैं भोपाल का रहने वाला हूँ. इस कहानी की शुरूआत मेरे मामा के लड़के आनन्द की शादी से शुरू होती है. मैं आनन्द की शादी में नहीं जा पाया था. इसलिए रिसेप्शन पार्टी […]
Full Story >>>

## सुहागरात में बीवी की गांड और भाभी की चुत-4

भाभी ने अपने कपड़े उतार दिये और शालू के बगल में लेट गई। मैं भाभी के पैरों के बीच आ गया तो भाभी ने शालू से कहा- अब तुम बैठ जाओ और देखो कि कैसे मैं इसका औजार पूरा का […]
Full Story >>>

## वासना के वशीभूत पति से बेवफाई-2

मेरी कामुकता भरी कहानी के पहले भाग वासना के वशीभूत पति से बेवफाई-1 अचानक … एक हाथ मेरे कंधे पर आया, मैं डर कर पीछे की तरफ हो गयी और पीछे खड़े अमित से टकरा गई। “भाभी …” उसने कंधे […]
Full Story >>>

## बहन की सहेली की चुदाई- एक भाई की कश्मकश…-7

पिछली कहानी में आपने पढ़ा कि काजल के भाई ने मेरे माता-पिता की गैर-मौजूदगी में मेरी बहन सुमिना की चूत मेरे ही घर में चोद दी। मैंने उन दोनों को देख भी लिया था लेकिन इसी कश्मकश में डूबा रहा […]
Full Story >>>

## मेरी बीवी की सहेली की बच्चे की चाह

मैं आपका दोस्त, आप सभी को नमस्कार करता हूँ और महिला मित्रों की टपकती चुतों को प्रणाम करता हूँ. आप सभी का तहे दिल से शुक्रिया अदा करना चाहता हूँ कि आपने मेरी पिछली कहानी चलती ट्रेन के गेट पर […]
Full Story >>>